गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक: 34 | गोरखपुर रविवार 09 फरवरी 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

आप उम्मीदवारों को भाजपा में शामिल होने के लिए 15 करोड़ रुपये की पेशकश हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों में 48 घंटे से भी कम का समय रह गया है। विधानसभा चुनाव के नतीजों के सामने आने से पहले भी राजनीति जारी है। आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया। भाजपा ने इस आरोप को खारिज कर दिया है और कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि भाजपा की ओर से आप के 16 उम्मीदवारों को मंत्री पद और पाला बदलने पर 15-15 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था। आप सुप्रीमो ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर हिंदी में लिखे अपने पोस्ट में कहा, "कुछ एजेंसियां ??दिखा रही हैं कि गाली देने वाली पार्टी (भाजपा) को 55 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। पिछले दो घंटे में हमारे 16 उम्मीदवारों को फोन आया है कि अगर वे आप छोड़कर उनकी पार्टी में शामिल हो गए तो उन्हें मंत्री बनाया जाएगा और 15-15 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।" अरविंद केजरीवाल की यह एक्स पोस्ट ऐसे समय में आई है, जब गुरुवार को तीन और एग्जिट पोल में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का अनुमान लगाया गया था, जिसमें 70 सदस्यीय सदन में 48-49 प्रतिशत वोट शेयर और 45-61 सीटें मिलने की बात कही गई थी। आप प्रमुख ने कहा, "अगर वे वाकई 55 से ज्यादा सीटें जीत रहे हैं, तो वे हमारे उम्मीदवारों को क्यों बुला रहे हैं? ये फर्जी सर्वेक्षण आप उम्मीदवारों को तोड़ने के लिए माहौल बनाने की साज़िश है। लेकिन उनमें से एक भी पक्ष नहीं बदलेगा।" अपनी पार्टी के मुखिया के दावों को दोहराते हुए सुल्तानपुर माजरा से आप उम्मीदवार और दिल्ली के मंत्री मुकेश अहलावत ने कहा कि उन्हें भी इस तरह का प्रस्ताव दिया गया था। मुकेश अहलावत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मैं मर सकता हूं, मेरे टुकड़े हो सकते हैं, लेकिन मैं अरविंद केजरीवाल को कभी नहीं छोड़ूंगा।"

यूरिया की देश में कोई किल्लत नहीं, कुछ लोग मुनाफाखोरी के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं: नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि देश में यूरिया खाद की कोई किल्लत नहीं है और कुछ लोग मुनाफाखोरी के लिए इसके दामों को प्रभावित कर परेशानी पैदा कर रहे हैं। नड्डा ने लोकसभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि जन प्रतिनिधियों को और राज्य सरकार को इस तरह के तत्वों पर कार्रवाई करने में मदद करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के धौरहरा से समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने जब राज्य में यूरिया की किल्लत होने का दावा किया तो नड्डा ने कहा, यूरिया की किल्लत कभी नहीं रही। किल्लत पैदा की जाती है। कुछ लोग बाजार में सेंध लगाते हैं और अनावश्यक तरीके से मुनाफा कमाने के लिए इस तरह की स्थिति पैदा करते हैं। उन्होंने सांसदों से भी अनुरोध किया कि इस स्थिति से निपटने में सहयोग करें। नड्डा ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्य लवली आनंद के एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि किसानों तक डीएपी उर्वरक की आपूर्ति समय पर करने के लिए एक तिथिवार, सप्ताह वार और क्षेत्रवार रणनीति बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि जहां तक डीएपी के वितरण का सवाल है तो इसमें अनावश्यक रूप से परेशानी पैदा करने वाले तत्वों पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है और केंद्र उनके संपर्क में रहता है।

सरकार की गुलामी कर रहा निर्वाचन आयोग सवालों के जवाब नहीं देगा: संजय राउत

राज्यसभा सदस्य ने कटाक्ष करते हुए कहा, ये जो 39 लाख फर्जी वोट महाराष्ट्र में पड़े हैं, अब ये मतदाता बिहार जाएंगे। ये फ्लोटिंग वोट हैं और जहां भी चुनाव होते हैं, वे घूमते रहते हैं। ये भाजपा का नया पैटर्न है, वे ऐसे ही चुनाव जीतते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। शिवसेना (उबाठा) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र की मतदाता सूची में कथित विसंगतियों का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग इस बारे में विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देगा क्योंकि वह सरकार की गुलामी कर रहा है। राउत ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र) की सांसद सुप्रिया सुले के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों के समय बार-बार शिकायत की गई, लेकिन आयोग ने कुछ नहीं किया राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की मदाता सूची में विसंगतियां हैं और बार-बार आग्रह के बावजूद निर्वाचन आयोग की ओर से प्रदेश

के मतदाताओं के डेटा उपलब्ध नहीं कराने से लगता है कि कुछ न कुछ गलत है। राहुल गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या राज्य की कुल वयस्क आबादी से ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पांच वर्षों में 32 लाख मतदाता जुड़े थे। राउत ने कहा, चुनाव आयोग को राहुल गांधी जी के सवालों का जवाब देना चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग इसका जवाब नहीं देगा क्योंकि वह सरकार की गुलामी कर रहा है।

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न की जांच जारी रखें, केरल पुलिस को सुप्रीम कोर्ट का आदेश

फिल्म निर्माता और दो महिला अभिनेताओं द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत लागू आपराधिक कानून के तहत, पुलिस एक शिकायत प्राप्त होने पर आगे बढ़ने के लिए बाध्य है जो एक संज्ञेय अपराध के कमीशन का उचित खुलासा करती है।

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केरल उच्च न्यायालय के पिछले साल के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस को पिछले साल अगस्त में सार्वजनिक की गई न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। शीर्ष अदालत ने मलयालम फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों के यौन शोषण के आरोपों पर केरल पुलिस द्वारा शुरू की गई चल रही आपराधिक कार्यवाही को रोकने से इनकार कर दिया, क्योंकि पीड़ितों ने न्यायिक जांच समिति के समक्ष अपनी आपबीती रिपोर्ट करने के लिए गवाही दी थी। एक फिल्म निर्माता और दो महिला अभिनेताओं द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत लागू आपराधिक कानून के तहत, पुलिस एक शिकायत प्राप्त होने पर आगे बढ़ने के लिए बाध्य है जो एक संज्ञेय अपराध के कमीशन का उचित खुलासा करती है।

20-22 तंबू जल कर हुए खाक, दमकल ने पाया काबू

महाकुंभ मेला क्षेत्र में फिर लगी आग

खाक चौक पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर योगेश चतुर्वेदी ने कहा कि पुरानी जीटी रोड पर तुलसी चौराहे के पास एक शिविर में आग लग गई। हालांकि, अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है।

संवाददाता

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ कुंभ मेले के सेक्टर 18 शंकराचार्य मार्ग पर आग लग गई। दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है और आग बुझाने का काम किया जा रहा है। मौके से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। खाक चौक पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर योगेश चतुर्वेदी ने कहा कि पुरानी जीटी रोड पर तुलसी चौराहे के पास एक शिविर में आग लग गई। हालांकि, अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है। उन्होंने कहा कि अभियान की निगरानी के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

50 सीटें जीतेगी आप, केजरीवाल की बैठक के बाद बोले गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों से एक दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) के सभी 70 उम्मीदवार और वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास पर एकत्र हुए। यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई जब लगभग साने एक्जिट पोल भाजपा के पक्ष में चुनावी परिणाम की भविष्यवाणी कर रहे हैं। आप नेता गोपाल राय ने बताया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आज आप के सभी विधायकों की बैठक हुई जिसमें सभी उम्मीदवारों ने अपनी रिपोर्ट दी। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक, अअढ करीब 50 सीटें जीतेगी और 6-7 सीटों पर कांटे की टक्कर होगी। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को सरकार बनाने का जनादेश दिया है। गोपाल राय ने कहा कि जिस तरह से 'गली गालोच पार्टी' एग्जिट पोल के जरिए माहौल बनाने की कोशिश कर रही है कि वे सरकार बनाएंगे लेकिन उनकी हताशा हकीकत बयां कर रही है। जिस तरह से हमारे उम्मीदवारों को भाजपा में शामिल होने के लिए फोन आ रहे हैं और उन्हें मंत्री पद का प्रलोभन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे एग्जिट पोल के जरिए मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर 'ऑपरेशन लोटस' चलाने की कोशिश कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने सभी उम्मीदवारों से कहा है कि अअढ सरकार बनाने जा रही है। आप विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि भाजपा आप विधायकों और उम्मीदवारों को लुभाने की कोशिश कर रही है।

सम्पादकीय...

जिंदगी का गणित

लंबे समय से देश में इस बात को लेकर गंभीर विमर्श होता रहा है कि स्कूल-कालेजों में शिक्षा का स्वरूप जीवन के व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित होना चाहिए। अकसर देखने में आता है कि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों में जिन गूढ़ सिद्धांतों को रटते रहते हैं उसका हमारे जीवन व रोजगार से कोई व्यावहारिक सरोकार नहीं दिखता। यही वजह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षा पद्धति रटने वाली होने के बजाय संवादात्मक शिक्षण पर आधरित हो। जो वास्तविक ज्ञान सीखने पर बल दे। जिससे पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र स्कूल-कालेजों में अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन स्थितियों में उपयोग कर सकें। जिससे छात्र अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना करने के लिये तैयार हो सकें। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो द्वारा तैयार किए गए और हाल ही में चर्चा में आए एक अध्ययन का निष्कर्ष बताता है कि छात्रों को दैनिक जीवन में काम आने वाले व्यावहारिक गणित के ज्ञान में पारंगत होना चाहिए। जैसा गुण बाजार में काम करने वाले भारतीय बच्चों में देखने में आता है। अकसर महसूस किया जाता है कि कक्षाओं में पढ़ाया जाने वाला गणित जीवन व्यवहार में काम नहीं आता। दूसरे शब्दों में कहें तो सीखने की सहज और औपचारिक शैलियों के बीच एक बड़ा अंतर पाया जाता है। जो इस बात पर बल देता है कि पाठ्यक्रम में सुधार करके इस खाई को पाटने का अविलंब प्रयास किया जाए। यह निर्विवाद सत्य है कि दुनिया भर में कम आय वर्ग वाली पृष्ठभूमि वाले स्कूली बच्चों के लिये गणित जैसे विषय में महारत हासिल करना एक चुनौती होती है। बल्कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उनमें गणित को लेकर एक फोबिया जैसा होता है। कमोबेश भारतीय बच्चे भी इसका अपवाद नहीं हैं। यही क्रम पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहता है। लेकिन इस विसंगति की तह तक जाने के लिये कोई गंभीर पहल नहीं हो पायी। वहीं दूसरी ओर देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं जो गरीबी और विषम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण स्कूलों का मुंह नहीं देख पाए। जिसके चलते पारिवारिक मजबूरियों के कारण उन्हें छोटे-मोटे काम करने के लिये बाध्य होना पड़ता है। मसलन फेरी लगाना या सड़कों के किनारे छोटा-मोटा सामान बेचने का कार्य उन्हें करना पड़ता है। अध्ययन बताता है कि वे बिना किसी सहायता के पलभर में जटिल गणितीय गणनाएं कर सकते हैं। दरअसल, स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले अमूर्त गणित को समझना छात्रों के लिये खासा कठिन होता है। वहीं दूसरी ओर विरोधाभास यह है कि इन छात्रों के स्कूल जाने वाले, जो साथी गणित में उत्कृष्ट होते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में बुनियादी गणनाओं को करने में अकसर विफल ही साबित होते हैं। वहीं दूसरी ओर देश में शिक्षा की वार्षिक स्थिति वाली रिपोर्ट यानी एएसईआर-2024 से पता चलता है कि सरकारी और निजी स्कूलों में छह से चैदह वर्ष की आयु के बच्चों में अंकगणित के स्तर में सुधार हुआ है। निस्संदेह, इसे एक अच्छा संकेत माना जाना चाहिए। लेकिन वास्तव में जरूरत इस बात की है कि छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़ने और जीवन की गणनाओं में उनके व्यावहारिक कौशल को निखारने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

राशिफल

मेषः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कार्यरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कार्यरें में लापरवाही कतई न करें।

बृषभः- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुनः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्कः- नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंहः- काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

कन्याः- जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुलाः- भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिकः- रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनुः- अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकरः- बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभः- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीनः- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन व्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन व्यर्थ के कायरें में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

वैश्विक तेल व्यापार, ओपेक रणनीतियों पर गहरा प्रभाव

के रवींद्रन

ओपेक एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा

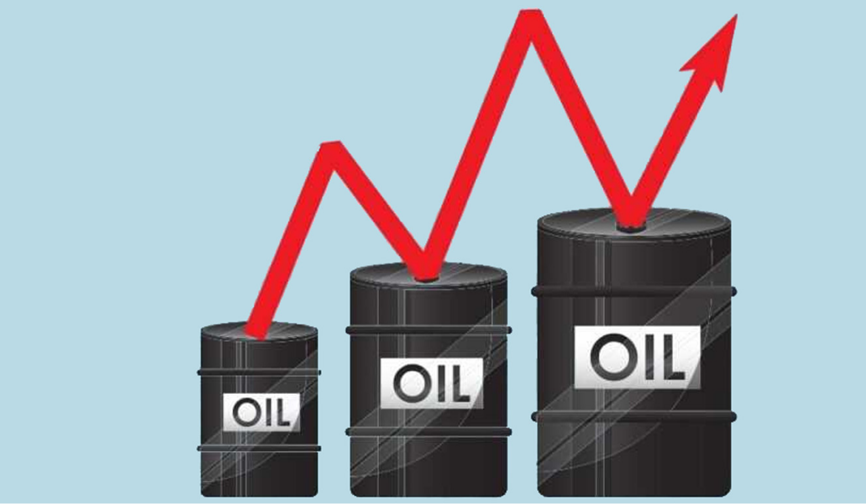

संकट के केंद्र में है, क्योंकि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं पर टैरिफ लगाने से उत्पन्न नयी चुनौती से जूझ रहा है। टैरिफ, जिसमें केनेडा के तेल पर 10 प्रतिशत और प्रतिशोध में केनेडा में अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है, ने वैश्विक तेल मांग को बाधित करने, व्यापार प्रवाह को विकृत करने और ऊर्जा बाजारों में ओपेक द्वारा पहले से ही जटिल नाजुक संतुलन को बनाये रखने और अधिक खतरे में डाल दिया है। ट्रम्प ने उसके बाद केनेडा और मेक्सिको के खिलाफ प्रतिबंधों को 30 दिनों के लिए रोकने की घोषणा की है, लेकिन जोखिम बने हुए हैं, जो बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य को नकारात्मक करते हुए कीमतों को स्थिर करने की ओपेक की क्षमता की और परीक्षा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के दो सबसे बड़े कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं, केनेडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने के फैसले ने रिफाइनिंग सेक्टर में हलचल मचा दी है। अगर केनडाई और मेक्सिकन तेल को दूसरे बाजारों में भेजा जाता है, तो अमेरिकी रिफाइनर आपूर्ति की कमी का सामना कर सकते हैं, जिससे घरेलू ईंधन की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। ओपेक, जिसने पहले बाजार को स्थिर करने के लिए 2025 की दूसरी तिमाही में उत्पादन में कटौती को वापस लेने की घोषणा की थी, अब खुद को एक चैराहे पर पाता है। टैरिफ नयी जटिलताएं पेश करते हैं, क्योंकि केनेडा और मेक्सिकन कच्चे तेल के बढ़ते अधिशेष से वैश्विक बाजार भर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। साथ ही, अमेरिकी आपूर्ति बाधाओं और रिफाइनरी इनपुट में व्यवधान से क्षेत्रीय कीमतों में उछाल आ सकता है। ओपेक को अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए अपनी रणनीति को समायोजित करते हुए सावधानी से आगे बढ़ना होगा, साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके अपने सदस्य व्यापार प्रवाह में बदलावों से असंगत रूप से पीड़ित न हों। तेल बाजार मौलिक रूप से तेजी पर बना हुआ है। जनवरी के मध्य में कीमतें लगभग 82 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर पहुंच गयीं, जो रूस के कड़े प्रतिबंधों और आपूर्ति बाधाओं के कारण हुआ। हालांकि, अब टैरिफ लागू होने के साथ, अनुमानों से संकेत मिलता है कि कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल की सीमा के आसपास स्थिर हो सकती हैं। ओपेक के पास भू-राजनीतिक संकटों के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, जिसने दशकों से कई आपूर्ति प्रतिबंधों को संभाला है। सैन्य संघर्षों से लेकर राजनीतिक रूप से प्रेरित उत्पादन कैप और कोटा तक, समूह ने वैश्विक तेल बाजारों पर अपना प्रभाव बनाये रखते हुए बाहरी झटकों का जवाब देने की अपनी क्षमता का बार-बार प्रदर्शन किया है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाये गये टैरिफ एक अलग तरह की चुनौती पेश करते हैं - जो प्रत्यक्ष आपूर्ति हेरफेर के बजाय व्यापार नीति में निहित है। ऊर्जा नीति के प्रति ट्रंप का दृष्टिकोण विरोधाभासी प्रतीत होता है। भले ही उनका प्रशासन प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं पर टैरिफ लगाता है, राष्ट्रपति ने डावोस में विश्व आर्थिक मंच पर सऊदी अरब से उत्पादन बढ़ाने और तेल की कीमतें कम करने का आग्रह किया है। यह विरोधाभासी रुख अमेरिकी व्यापार और ऊर्जा नीति की सुसंगतता के बारे में गंभीर सवाल उठाता है। अगर सऊदी अरब ट्रंप के अनुरोध पर ध्यान देता है और उत्पादन बढ़ाता है, तो यह पुनर्निर्देशित केनेडाई और मेक्सिकन तेल द्वारा बनायी गयी आपूर्ति की अधिकता को बढ़ा सकता है, जिससे वैश्विक कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है। इसके विपरीत, अगर ओपेक अपने उत्पादन में कटौती को बनाये रखने या यहां तक कि बढ़ाने का विकल्प चुनता है, तो इससे कीमतों में और अधिक अस्थिरता हो सकती है, खासकर अगर अमेरिकी रिफाइनरियां प्रतिस्पर्धी दरों पर खोई हुई कच्चे तेल की आपूर्ति को बदलने के लिए संघर्ष करती हैं।

कुछ खास...

देश के प्रति समर्पण राष्ट्र के बौद्धिक व आर्थिक विकास की बुनियाद

संजीव ठाकुर

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता हैस राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता हैस स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे।वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल हैस इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन ,विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया हैस वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता हैस आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैंस यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं। किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों ,कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन ,करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा ,कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है ।देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल ,हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता ,अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है।

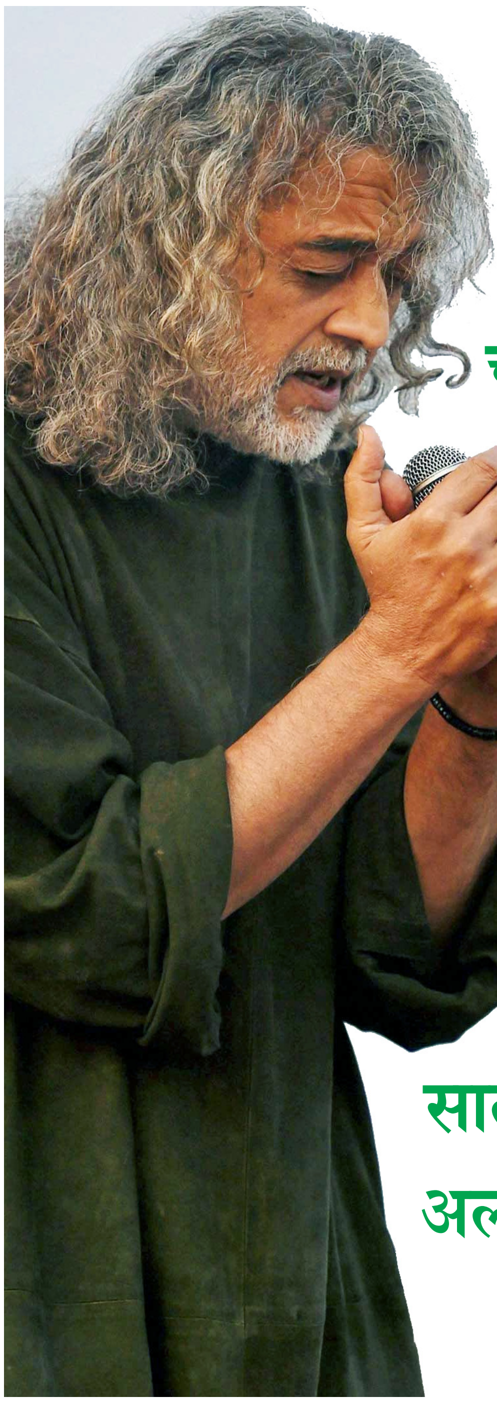

मैं शादी करूंगा फिर से.. चौथी शादी करने को तैयार 66 साल के लकी अली! चर्चा में बयान

लकी अली संगीत जगत अमेजिंग सिंगर्स में से एक हैं, जिन्होंने अपनी आवाज से लोगों का खूब दिल जीता है। उनके गाने जैसे ष्आ भी जा, एक पल का जीना, ना तुम जानो ना हम और हैरत आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। लकी अली न सिर्फ अपने गानों बल्कि बयानों और विचारों से भी सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में लकी अली ने कथाकार इंटरनेशनल स्टोरीटेलर्स फेस्टिवल में हिस्सा लिया और इस दौरान अपनी शादी की प्लानिंग का खुलासा किया, जिसे जानकर लोग हैरान रह गए। इवेंट में जब लकी अली से उनकी जिंदगी के मकसद के बारे में पूछा गया, तो लकी अली ने जवाब दिया, मकसद तो बस आना और चले जाना है। हमारे पास कोई रास्ता नहीं है। इसके बाद जब उनसे उनके किसी सपने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, सपना है कि मैं शादी करूंगा फिर से। अब यह कहना मुश्किल है कि लकी अली यह मजाक कर रहे थे या वे सच में चैथी शादी की योजना बना रहे हैं, लेकिन उनका यह बयान मीडिया में चर्चा का विषय बन गया। बता दें, लकी अली की निजी जिंदगी भी काफी दिलचस्प रही है। वह अब तक तीन बार शादी कर चुके हैं। उनकी पहली शादी 1996 में ऑस्ट्रेलिया की मेघन जेन मैक्लेरी से हुई थी। इस शादी से उन्हें दो बच्चे हुए। इसके बाद उन्होंने 2000 में पर्शिया की रहने वाली इनाया से दूसरी शादी की, जिससे फिर उन्हें दो बच्चे हुए। लकी अली की तीसरी शादी 2010 में ब्रिटिश मॉडल केट एलिजाबेथ हॉलम से हुई थी और इस शादी से उन्हें एक बेटा हुआ। हालांकि, यह शादी 2017 में तलाक के साथ खत्म हो गई।

संगीत में प्रियंका चोपड़ा ने ठीक किया भाई सिद्धार्थ की होने वाली दुल्हन का लहंगा

● कैमरे में कैद हुई ननद-भाभी दिल छू लेने वाली

प्रियंका चोपड़ा के घर में इन दिनों खुशियों का माहौल है, क्योंकि उनके भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रियंका अपने भाई की हल्दी-मेहंदी और संगीत सेरेमनी में फुल टशन दिखा रही हैं, जिसकी तस्वीरें और वीडियोज लोगों का खूब दिल जीत रही हैं। इसी बीच सिद्धार्थ की संगीत सेरेमनी से प्रियंका का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी होने वाली भाभी का लहंगा ठीक करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का ये अंदाज लोगों का खूब दिल जीत रहा है। गुरुवार को सिद्धार्थ और नीलम की संगीत सेरेमनी का आयोजन किया गया था, जिसमें बॉलीवुड के कई बड़े सितारे भी शामिल हुए थे। इसी खास मौके पर प्रियंका चोपड़ा और उनकी होने वाली भाभी नीलम के बीच प्यार की झलक देखने को मिली। प्रियंका अपनी भाभी का खास ध्यान रखती नजर आईं और दोनों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में प्रियंका अपनी होने वाली भाभी नीलम का लहंगा ठीक करती नजर आ रही हैं, उसके बाद वह उनके बालों को भी संवारती हैं। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को गले भी लगाया। ननद-भाभी का यह प्यार देखकर फैंस काफी खुश हो गए और उनकी खूब तारीफ करते नजर आए। प्रियंका के लुक की बात करें तो इस दौरान वह ब्लू कलर के लहंगे में बेहद स्टनिंग लगीं। इस लहंगे में प्रियंका ने अपनी खूबसूरती और परफेक्ट फैशन सेंस को दिखाया। प्रियंका के साथ उनके पति निक जोनास भी इस समारोह में ब्लू शेरवानी में नजर आए, जो दोनों को एक साथ परफेक्ट कपल गोल्स देते नजर आए। सिद्धार्थ चोपड़ा की माता की चैकी, हल्दी, मेहंदी, कॉकटेल पार्टी और संगीत सेरेमनी हो चुके हैं और अब फैंस को उनकी शादी का इंतजार है। लोग बेसब्री से उनके भाई की शादी में प्रियंका के लुक को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

प्राइम वीडियो ने किया अपनी ओरिजिनल सीरीज ग्राम चिकित्सालय की शूटिंग का ऐलान!

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म, प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी ओरिजिनल सीरीज ग्राम चिकित्सालय की शूटिंग शुरू होने की घोषणा की। यह सीरीज द वायरल फीवर द्वारा निर्मित की जा रही है, जो अपनी कई पुरस्कार विजेता और दर्शकों की पसंदीदा वेब सीरीज के लिए मशहूर है। यह कॉमेडी-ड्रामा हास्य और भावनाओं से भरपूर एक दिलचस्प कहानी पेश करेगा। इस सीरीज में अमोल पाराशर, आनंदेश्वर द्विवेदी, आकाश मखीजा, गरीमा विक्रांत सिंह, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। ग्राम चिकित्सालय एक मनोरंजक कहानी है, जो एक शहर के डॉक्टर की यात्रा को दर्शाती है, जब वह एक छोटे से कस्बे के पब्लिक हेल्थ सेंटर में काम करना शुरू करता है। यह सीरीज आत्म-खोज, अनपेक्षित दोस्तियों और एक नई जगह में खुद को ढालने की जद्दोजहद से जुड़ी हास्यास्पद परिस्थितियों का शानदार मिश्रण प्रस्तुत करेगी। फिलहाल प्रोडक्शन चरण में, ग्राम चिकित्सालय जल्द ही प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों के प्राइम मेंबर्स इस मनोरंजक सीरीज का आनंद उठा सकेंगे। इस बहुप्रतीक्षित सफर की और भी रोमांचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें!

हमले के बाद सैफ और उनके बीवी-बच्चों की सलामती के लिए बहन सबा ने किया कुरान ख्वानी और सदका, कहा-सुरक्षा हमेशा

एक्टर सैफ अली खान पर 15 जनवरी को चोर ने घर में घुसकर तेजधार हथियार से हमला किया था, जिससे एक्टर बुरी तरह जख्मी हो गए थे। हालांकि, इलाज और सर्जरी के बाद अब एक्टर पूरी तरह ठीक हैं और रेस्ट पर हैं। वहीं, इस हमले के बाद खान फैमिली सैफ का पूरा ध्यान रख रही है और सुरक्षा के मामले में काफी चैकन्नी हो गई है। इसी बीच हाल ही में सबा पटौदी ने अपने भाई सैफ और भाभी करीना कपूर और उनके दोनों बच्चों की सलामती के लिए कुरान ख्वानी और सदका किया, जिसकी तस्वीर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की है। सबा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुरान ख्वानी और सदका की एक झलक शेयर की और साथ ही कैप्शन में लिखा, फेथ ..मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। इसलिए भाई और परिवार के लड़कों टिम और जेह और भाभी के लिए कुरान ख्वानी और सदका भी किया गया। सुरक्षा हमेशा! बता दें, सैफ अली खान की बहन सबा उनसे बेहद प्यार करती हैं और हमेशा अपने भाई और परिवार की सलामती के लिए दुआ करती रहती हैं। बता दें, हमले में जख्मी होने के बाद रिकवर होने के बाद सैफ अली खान 3 फरवरी को पहली बार पब्लिक प्लेस में स्पॉट हुए थे। एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म ज्वेल थीफ-द हीस्ट बिगिन्स के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए थे। इस फिल्म में वे जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।

पुराने दाग-धब्बों को कहें अलविदा! अरारोट पाउडर से मिलेगी ब्राइट और टाइट स्किन

अरारोट पाउडर एक स्टार्च है जो अरारोट पौधे की जड़ों से निकाला जाता है। यह एक सफेद महीन पाउडर होता है जो आसानी से पानी में घुल जाता है। बता दें अरारोट पाउडर त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी एंटी-ऑक्सीडेंट और मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं। आइए आपको बताते हैं कि बेदाग त्वचा पाने के लिए इसका कैसे यूज कर सकते हैं।

त्वचा की देखभाल करना आज के समय में हर किसी की जरूरत बन गया है। चाहे वह महिला हो या पुरुष, हर कोई चाहता है कि उनकी त्वचा चमकदार, कोमल और दाग-धब्बों से फ्री हो, लेकिन प्रदूषण, गलत खान-पान, स्ट्रेस और खराब लाइफस्टाइल के कारण त्वचा पर काले धब्बे, मुंहासे के निशान, झुर्रियां और ढीली त्वचा जैसी समस्याएं होना आम बात हो गई है।

इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए लोग महंगे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में मौजूद अरारोट पाउडर आपकी त्वचा के लिए एक नेचुरल और असरदार उपाय साबित हो सकता है?

जी हां, अरारोट पाउडर न केवल आपकी त्वचा को ब्राइट और टाइट बनाने में मदद करता है, बल्कि पुराने दाग-धब्बों को भी हल्का करने में कारगर साबित हो सकता है। आइए जानते हैं कि अरारोट पाउडर कैसे काम करता है और इसे त्वचा पर कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्किन के लिए क्यों फायदेमंद है अरारोट पाउडर?

अरारोट पाउडर एक नेचुरल स्टार्च है जो अरारोट पौधे की जड़ों से लिया जाता है। यह पाउडर बेहद हल्का और मुलायम होता है, जिसे अक्सर खाना पकाने में गाढ़ापन लाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसके अलावा, अरारोट पाउडर में कई ऐसे गुण होते हैं जो इसे स्किन के लिए एक बेहतरीन प्रोडक्ट बनाते हैं।

इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को हेल्दी और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। यह स्किन के पोर्स को साफ करता है, ऑयल को कंट्रोल करता है और त्वचा को टोन करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह त्वचा की नमी को बनाए रखता है और झुर्रियों को कम करने में भी मददगार होता है।

कैसे करें अरारोट पाउडर का इस्तेमाल?

अरारोट पाउडर को त्वचा पर इस्तेमाल करने के कई तरीके हैं। यहां हम आपको इसकी मदद से बनने वाले कुछ शानदार फेस पैक और मास्क के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं।

अरारोट पाउडर और दूध का फेस पैक

एक चम्मच अरारोट पाउडर लें और उसमें थोड़ा सा दूध मिलाएं।

इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें।

इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट तक सूखने दें।

सूखने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

यह पैक त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और दाग-धब्बों को हल्का करता है।

अरारोट पाउडर और शहद का मास्क

एक चम्मच अरारोट पाउडर में आधा चम्मच शहद मिलाएं।

इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट तक सूखने दें।

सूखने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

यह मास्क त्वचा को टाइट करता है और चमक बढ़ाता है।

अरारोट पाउडर और गुलाब जल का फेस पैक

एक चम्मच अरारोट पाउडर में गुलाब जल की कुछ बूंदें मिलाएं।

इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें।

इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें।

सूखने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

यह पैक त्वचा को शांत करता है और रंगत को निखारता है।

अरारोट पाउडर और नींबू का रस

एक चम्मच अरारोट पाउडर में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं।

इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें।

इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट तक सूखने दें।

सूखने के बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। यह पैक त्वचा के दाग-धब्बों को हल्का करता है और त्वचा को ब्राइट बनाता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अरारोट पाउडर का इस्तेमाल करने से पहले अपनी त्वचा के एक छोटे हिस्से पर पैच टेस्ट कर लें ताकि यह तय हो सके कि आपकी त्वचा को इससे कोई एलर्जी नहीं है।

अगर आपकी त्वचा बहुत सेंसिटिव है तो नींबू के रस का इस्तेमाल करने से बचें। अरारोट पाउडर के साथ किसी भी अन्य सामग्री को मिलाते समय उसकी मात्रा का ध्यान रखें ताकि त्वचा पर कोई नेगेटिव असर न पड़े।

जीवन में आपको इंसानों की पहचान होना बहुत जरूरी है। कई बार आप कुछ ऐसे इंसानों से धोखा खा जाते हैं। जिन्हें आप अपना हमदर्द समझते थे। ऐसे में यह जरूरी है कि आप जीवन में कुछ ऐसे लोगों पर कभी भरोसा न करें जो आपके लिए आगे परेशानी खड़ी कर सकते हैं। क्योंकि कई बार बहुत मीठा बोलने वाले लोग ही कड़वे अनुभव दे जाते हैं।

जिंदगी में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो बहुत मीठा बोलते हैं, लेकिन उनके इरादे खराब होते हैं। ये लोग आपको अपने जाल में फंसा सकते हैं और आपकी जिंदगी में जहर घोल सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि अगर आपके आसपास भी कुछ ऐसे लोग हैं जो बहुत मीठा बोलते हैं तो आपको उनकी बातों में नहीं फंसना चाहिए। अगर आप एक बार उनकी बातों में फंस गए तो फिर बहुत नुकसान उठा सकते हैं।

1. चापलूस लोगः चापलूस लोग वे होते हैं जो आपकी पीठ पीछे आपकी बुराई करते हैं, लेकिन आपके सामने आपकी तारीफ करते हैं। ये लोग आपको अपने जाल में फंसाने के लिए आपकी तारीफ करते हैं, लेकिन उनके इरादे खराब होते हैं। ऐसे लोगों की पहचान आपने रखनी चाहिए।

अगर आप एक बार भी इनके चंगुल में फंस गए तो आगे फिर बहुत नुकसान उठा सकते हैं।

पार्टनर के साथ डेट पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ख्याल- नहीं तो होंगे शर्मिंदा

आज रोज डे के मौके पर आप अपने पार्टनर के साथ डेट पर जाने का प्लान बना चुके हैं। तो कुछ बातें अपने जहन में ताजा रखें। कहीं ऐसा न हो कि आपको शर्मिंदगी उठानी पड़ें। अपने पार्टनर के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। कहीं ऐसा न हो इस दिन आपके व्यवहार को लेकर आप दोनों के बीच बहस हो जाए और खास दिन आपके लिए नाराजगी का सबब बन जाए।

रोज डे को लेकर कपल्स बाहर जाने का प्रोगाम बनाते हैं। लोग इस दिन एक दूसरे को गुलाब देकर अपनी मोहब्बत का इजहार करते हैं। इस दिन को खास बनाने के लिए लोग एक दूसरे को फूल देते हैं और बाहर डेट पर जाते हैं। लेकिन जैसे खास मौके पर अगर आप बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं तो कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें। रोज डे पर पार्टनर के साथ बाहर जाने से पहले, कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ताकि आपको शर्मिंदगी का सामना न करना पड़े। आज हम आपको यहां कुछ बातें बता रहे हैं जिनका ध्यान आपको बाहर जाते हुए रखना चाहिए।

1. पार्टनर की पसंद का ध्यान रखेंः अपने पार्टनर की पसंद और नापसंद का ध्यान रखें और उनके अनुसार योजना बनाएं। ऐसा न हो कि आप अपना प्लान बनाकर बैठ जाएं और आपका पार्टनर उस प्लान या टाइमिंग में कंफर्ट महसूस न करें। इसलिए हमेशा अपने पार्टनर की पसंद का ख्याल रखें।

2. समय पर पहुंचेंः समय पर पहुंचना बहुत महत्वपूर्ण है। देर से पहुंचने से आपके पार्टनर को शर्मिंदगी हो सकती है। कई बार आपका पार्टनर एकांत जगह पर आपका इंतजार करता होता है। अगर आप देर से पहुंचते हैं तो उसके अकेले इंतजार करते हुए डर और अनकंफर्टनेस महसूस होने लगती है।

3. व्यवहार का ध्यान रखेंः अपने व्यवहार का ध्यान रखें और अपने पार्टनर के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। कहीं ऐसा न हो इस दिन आपके व्यवहार को लेकर आप दोनों के बीच बहस हो जाए और यह खास दिन आपके लिए नाराजगी का सबब बन जाए। इसलिए आज के दिन मजाक भी सोच समझकर करें और व्यवहार भी ठीक करें।

आकाश चोपड़ा का दावा

कहा-चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में नहीं होंगे जसप्रीत बुमराह

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर कोई अपडेट नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी टेस्ट के दौरान जनवरी की शुरूआत में जसप्रीत बुमराह को पीठ में समस्या हुईथी। इसके बाद से वह मैदान से दूर हैं। फिलहाल, वह बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। इस बीच इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारत के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने डेब्यू किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शुरू होने में महज 2 हफ्ते से भी कम का समय है। अभी तक भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर कोई अपडेट नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी टेस्ट के दौरान जनवरी की शुरूआत में जसप्रीत बुमराह को पीठ में समस्या हुईथी। इसके बाद से वह मैदान से दूर हैं। फिलहाल, वह बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। इस बीच इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारत के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने डेब्यू किया।

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ हर्षित राणा का वनडे डेब्यू इस बात का संकेत है कि जसप्रीत बुमराह की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्धता की संभावना काफी कम है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने भारत-इंग्लैंड के बीच पहले वनडे में हर्षित के चयन का विश्लेषण करते हुए कहा कि इस तेज गेंदबाज के खेलने से अर्शदीप सिंह की टीम में वापसी में और देरी हो गई है।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि, हर्षित राणा का डेब्यू मुझे क्या बता रहा है? मुझे बता रहा है कि जसप्रीत बुमराह की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्धत की संभावना बहुत कम है। आपने इसी वजह से हर्षित का डेब्यू कराया है। क्योंकि आप सोच रहे हैं अगर चैंपियंस ट्रॉफी में बुमराह नहीं होंगे और मुझे हर्षित को ले जाना होगा क्योंकि सिराज से आगे हैं वो इस समय। फिर बिना डेब्यू के वहां ले जाना वो दिल थोड़ा तेज धड़केगा भी आपका तो आपने डेब्यू करा दिया। अर्शदीप का कब आप वापसी कराओगे वनडे क्रिकेट में ये बड़ा सवाल है। क्योंकि बहुत समय से वह भी तो वनडे नहीं खेले हैं। हर्षित का डेब्यू मुझे संकेत देता है कि शायद बुमराह नहीं होंगे।

नागपुर में खेले गए भारत-इंग्लैंड के बीच पहले वनडे में हर्षित राणा के अलावा यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू किया। घुटने की चोट के कारण विराट कोहली नहीं खेले। दूसरे वनडे में भारत की प्लेइंग 11 में 2 बदलाव हो सकते हैं। कोहली की वापसी पर यशस्वी को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसके अलावा हर्षित की जगह अर्शदीप को मौका मिल सकता है। अर्शदीप को भी गेमटाइम की जरूरत है।

टी20 में फेल होने के बाद अब रणजी ट्रॉफी खेलेंगे सूर्यकुमार यादव, नहीं बनेंगे कप्तान

सूर्यकुमार यादव भारत की वनडे टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे 2023 में खेला था। वहीं वे टी20 फॉर्मेट में कुछ खास नहीं कर सके। अब सूर्या रणजी ट्रॉफी के लिए मैदान पर उतरेंगे। वे मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी 2025 का क्वार्टर फाइनल मैच खेल सकते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव भारत की वनडे टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे 2023 में खेला था। वहीं वे टी20 फॉर्मेट में कुछ खास नहीं कर सके। अब सूर्या रणजी ट्रॉफी के लिए मैदान पर उतरेंगे। वे मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी 2025 का क्वार्टर फाइनल मैच खेल सकते हैं। सूर्या शुक्रवार को मैदान पर प्रैक्टिस के लिए उतरे। लेकिन सूर्या को कप्तानी नहीं मिलेगी।

देश निश्चित रूप से सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल कर सकता है: संजय मल्होत्रा

एजेंसी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्ने कहा कि भारत निश्चित रूप से सात प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है और देश को इसे हासिल करने की आकांक्षा करनी चाहिए। रिजर्व बैंक ने अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित 6.4 प्रतिशत से अधिक है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था के तेज गति से बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा, ...निश्चित रूप से भारत सात प्रतिशत और उससे अधिक की वृद्धि दर हासिल कर सकता है। हमें निश्चित रूप से इसकी आकांक्षा करनी चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट प्रस्तावों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि आयकर राहत से मुद्रास्फीति नहीं बढ़ेगी, बल्कि आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

सीतारमण ने नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय को पूरी तरह से कर से छूट देने की घोषणा की है। साथ ही कर स्लैब में भी बदलाव किया है। नई कर व्यवस्था में कर छूट सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये किये जाने से एक करोड़ करदाताओं को लाभ होगा। मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की आखिरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों नजरिये से उत्कृष्ट है। बजट में कृषि पर ध्यान केंद्रित करने से दलहन, तिलहन और अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी और खाद्य मुद्रास्फीति में कमी आएगी। आरबीआई ने अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है, जबकि 2024-25 के लिए पहले के 4.8 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति के मोर्चे पर अगर कोई झटका नहीं आता है, इससे खाद्य महंगाई का दबाव कम होगा। इसका कारण, खरीफ फसलों का उत्पादन बेहतर रहने, जाड़े में सब्जियों की कीमतों में नरमी तथा रबी फसलों को लेकर अनुकूल संभावनाएं हैं। आरबीआई गवर्नर ने रुपये के बारे में कहा कि विनिमय दर नीति वर्षों से एक समान बनी हुई है और केंद्रीय बैंक रुपये के किसी विशिष्ट स्तर या बैंड को लक्षित नहीं करता है। उन्होंने कहा, हमें रुपये में रोजाना की अस्थिरता पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि दीर्घकालिक विनिमय दर पर नजर रखनी चाहिए।

स्टीव स्मिथ ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड, फिर भी विराट कोहली से रह गए पीछे

स्टीव स्मिथ ने सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वे सबसे कम टेस्ट पारियों में 36 शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ ने इसके लिए 206 पारियां खेलीं। जबकि सचिन ने 218 पारियां खेली थीं। इस लिस्ट में रिकी पोंटिंग टॉप पर हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी स्टीव स्मिथ और एलेक्स कैरी ने

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शतक लगाया। स्मिथ ने पहले सेंचुरी पूरी की इसके बाद कैरी ने भी शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैरी ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक लगाया। इस दौरान खबर लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट के नुकसान पर 324 रन बना लिए हैं। स्मिथ ने खबर लिखे जाने तक 239 गेंदों में 120 रन बना लिए हैं। जबकि कैरी ने खबर लिखे जाने तक 153 गेंदों में 135 रन बना लिए हैं। उन्होंने इस दौरान 130 गेंदों का सामना किया। स्टीव स्मिथ ने सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वे सबसे कम टेस्ट पारियों में 36 शतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ ने इसके लिए 206 पारियां खेलीं। जबकि सचिन ने 218 पारियां खेली थीं। इस लिस्ट में रिकी पोंटिंग टॉप पर हैं। पोंटिंग ने 200 पारियों में 36 शतक जड़े। कुमार संगकारा तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 210 पारियों में कमाल किया था। स्टीव स्मिथ सबसे तेज 17 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 410 पारियों में ये कमाल किया। स्मित इस लिस्ट में नौवें नंबर पर हैं। जबकि विराट कोहली टॉप पर हैं। टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी कोहली ने 363 पारियों में ये कारनामा किया था। हाशिम आमला लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 381 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

जोमैटो की बदली पहचान, बोर्ड मीटिंग में नए नाम के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य और किराने की डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने गुरुवार को कहा कि वह कंपनी का नाम बदलकर ष्एटरनलष कर देगी और एक नए लोगो का अनावरण करेगी। यह कदम दीपिंदर गोयल की अगुवाई वाली कंपनी द्वारा आंतरिक रूप से नए नाम का उपयोग शुरू करने के दो साल से अधिक समय बाद आया है। गुरुवार को शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में, दीपिंदर गोयल ने कहा कि कंपनी बोर्ड ने नाम परिवर्तन को मंजूरी दे दी है, शेयरधारकों से भी इस बदलाव का समर्थन करने का अनुरोध किया है। दीपिंदर गोयल ने पत्र में कहा यदि और जब इसे मंजूरी मिल जाती है, तो हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट से शाश्वतपर परिवर्तित हो जाएगी। हम अपने स्टॉक टिकर को भी में बदल देंगे। इटरनल में चार प्रमुख व्यवसाय (अभी तक) जोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर शामिल होंगे ।यह कदम कंपनी के लिए एक बदलाव का प्रतीक है, जब निवेशक 2022 के मध्य में जोमैटो द्वारा ब्लिंकिट के अधिग्रहण को लेकर संशय में थे, तब से लेकर तेजी से वाणिज्य के नेतृत्व वाले विकास ने निवेशकों की रुचि को बढ़ा दिया है। ब्लिंकिट के साथ-साथ स्विगी के इंस्टामार्ट ने भारतीयों के खरीदारी के तरीके में बदलाव लाया है, और रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ-साथ अमेजॅन और वॉलमार्ट के भारतीय व्यवसाय जैसे खुदरा विक्रेताओं को अपनी त्वरित-वाणिज्य सेवाएं शुरू करने के लिए मजबूर किया है।

117 दिन में पाकिस्तान ने तैयार कर दिया क्रिकेट स्टेडियम, अब पीएम करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 6 फरवरी को लाहौर स्थित गद्दाफी स्टेडियम के काम पूरा होने की घोषणा कर दी है। ये स्टेडियम आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए तैयार किया गया है। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन रजा नकवी ने प्रेस रिलीज जारी करके बताया कि वो उन सभी लोगों का आभार व्यस्त करते हैं जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके मैदान के नवीनकरण में योगदान दिया है। बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉपी की शुरूआत 19 फरवरी को होगी, वहीं टूनामेंट का समापन 9 मार्च को होगा। पाकिस्तान में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के मैच लाहौर, रावलपिंडी और कराची में खेले जाएंगे। अब पाकिस्तान के एक विख्यात मीडिया संस्थान ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज

शरीफ आज नए गद्दाफी स्टेडियम का उद्घाटन करने वाले हैं। इस संबंध में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन रजा नकवी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा करने वाले हैं। बोर्ड के चेयरमैन ने सभी कर्मियों का धन्यवाद किया है। बताते चलें कि इस उद्घाटन समारोह में अली जफर, आईमा बैग और आरिफ लोहार जैसे नामी सेलिब्रिटी शिरकत करने वाले हैं। दावा किया गया है कि इस स्टेडियम का काम रिकॉर्ड 117 दिनों में पूरा हो गया है।

10 हजार कर्मियों वाले यूएसएआईडी से 9700 लोगों को नौकरी से निकालने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत विश्वव्यापी मानवीय सहायता एजेंसी यूएसएआईडी के 10,000 में से सिर्फ 294 कर्मचारी रहेंगे। सरकार के इस फैसले के कारण हजारों लोगों की नौकरी खतरे में आ गई है।

ट्रंप प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका एजेंसी (यूएसएआईडी) में बड़े स्तर पर छंटनी की योजना बनाई गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने फैसला लिया है कि इस एजेंसी के 10,000 से ज्यादा कर्मचारियों में से केवल 294 लोगों की नौकरी रहेगी। जानकारी के मुताबिक, सिर्फ अफ्रीका और एशिया ब्यूरों में बेहद ही कम कर्मचारी बचेंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले के बाद अफ्रीका ब्यूरो में सिर्फ 12 लोग और एशिया ब्यूरो में सिर्फ आठ कर्मचारी रह जाएंगे। यह योजना एलन मस्क के नेतृत्व में सरकार के पुनर्गठन कार्यक्रम का हिस्सा है।

'यह एजेंसी को खत्म करने जैसा है'

वहीं पूर्व यूएसएआईडी प्रमुख जे. ब्रायन एटवुड ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को हटाने सेदुनिया भर में लाखों लोगों की जान को खतरा हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैकड़ों कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है और कई जीवन-रक्षक योजनाएं रुकी हुई हैं। सरकार ने मंगलवार को घोषणा की थी कि सभी कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा और विदेशों में तैनात हजारों कर्मियों को वापस बुला लिया जाएगा।

यूएसआईडी को लेकर क्या है ट्रंप की योजना

जानकारी के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन की योजना यूएसएआईडी को स्टेट डिपार्टमेंट में मिलाने की है, जिसे अब मार्को रुबियो चला रहे हैं। हालांकि, यह विलय तभी संभव होगा जब अमेरिकी संसद (कांग्रेस) इसे मंजूरी देगी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से 130 देशों को मिलने वाली मदद पर असर पड़ेगा, यूएसआईडी हर साल करीब $40 बिलियन (40 अरब डॉलर) की सहायता वितरित करता है। इसमें यूक्रेन, इथियोपिया, जॉर्डन, कांगो, सोमालिया, यमन और अफगानिस्तान जैसे संघर्ष-ग्रस्त देशों को इससे बड़ी मदद मिलती थी। अब इन देशों की आर्थिक और मानवीय सहायता पर गंभीर असर पड़ सकता है

नौकरी से निकालने की प्रक्रिया शुरू

सूत्रों के अनुसार, कुछ कर्मचारियों को टर्मिनेशन नोटिस मिल चुके हैं। यूएसआईडी की वेबसाइट के मुताबिक, 7 फरवरी की रात 12 बजे से सभी कर्मचारी प्रशासनिक अवकाश पर रहेंगे, सिर्फ कुछ गिने-चुने लोग ही अपने पदों पर बने रहेंगे।

सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की मस्क की योजना पर अदालत की रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। एलन मस्क के सरकारी

दक्षता विभाग ने बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लिए एक योजना पेश की थी, जिसमें कर्मचारियों को इस्तीफा देने के बदले आठ महीने का वेतन समेत कई अन्य सुविधाएं देने का एलान किया गया है।अमेरिका में संघीय कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नौकरी से निकालने की एलन मस्क की योजना पर एक संघीय अदालत के जज ने फिलहाल रोक लगा दी है। मैसाच्युसेट्स के एक न्यायाधीश ने यह रोक लगाई है। मस्क की योजना की समयसीमा गुरुवार को खत्म हो गई, लेकिन अब अदालत ने इसे सोमवार तक बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि एलन मस्क, डोनाल्ड ट्रंप की सरकार में सरकारी दक्षता विभाग (उडत्रृए) नामक स्वतंत्र इकाई के प्रभारी हैं। इस विभाग को सरकार के खर्चों को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई है। एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग ने बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के लिए एक योजना पेश की थी, जिसमें कर्मचारियों को इस्तीफा देने के बदले आठ महीने का वेतन समेत कई अन्य सुविधाएं देने का एलान किया गया है। मस्क ने कहा है कि या तो कर्मचारी योजना का फायदा उठाकर नौकरी से रिटायर हो जाएं या फिर उन्हें भविष्य में नौकरी से निकाला जा सकता है। सरकार की इस योजना के खिलाफ अमेरिका के श्रमिक संघों ने अदालत का रुख किया। जहां मैसाच्युसेट्स की संघीय अदालत के जज जॉर्ज ओ टूल ने योजना पर रोक लगा दी है और मामले की सुनवाई करने का फैसला किया है।व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का कहना है कि अब तक रिटायरमेंट स्कीम का फायदा उठाते हुए 40 हजार से ज्यादा कर्मचारियों ने इस्तीफा देने का फैसला किया है।

डिजिटल होगी दक्षिण अफ्रीका की वीजा प्रक्रिया

राष्ट्रपति रामफोसा के एलान से भारतीय कंपनियां खुश

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका का वीजा मिलने में अब ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना होगा। अफ्रीकी देश ने अपनी वीजा व्यवस्था का डिजिटलीकरण करने का एलान किया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया है कि देश की वीजा व्यवस्था का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। राष्ट्रपति के फैसले का भारतीय कंपनियों और राजनयिकों ने स्वागत किया है।दक्षिण

अफ्रीका का वीजा मिलने में अब ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना होगा। अफ्रीकी देश ने अपनी वीजा व्यवस्था का डिजिटलीकरण करने का एलान किया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया है कि देश की वीजा व्यवस्था का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इसके बाद भारत और चीन से पर्यटन और व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। अफ्रीकी राष्ट्रपति के फैसले का भारतीय कंपनियों और राजनयिकों ने स्वागत किया है।दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि हम अपने वीजा सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। ताकि हमारे देश में विदेश के लोगों को निवेश करने में आसानी हो और पर्यटन को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि इस साल हम सुरक्षित और डिजिटल वीजा आवेदन प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन सिस्टम लॉन्च करने जा रहे हैं। यह सिस्टम भ्रष्टाचार को कम करेगा और पर्यटक वीजा प्रक्रिया को एआई और ऑटोमैटिक तरीके से तेज करेगा। रामफोसा ने कहा कि हमने तीन लाख से अधिक वीजा आवेदनों में से 90 प्रतिशत से अधिक लंबित आवेदनों का निपटारा कर दिया है। यह परिवर्तन संदेश देगा कि दक्षिण अफ्रीका व्यापार और पर्यटन के लिए खुला हुआ है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से देर से वीजा मिलने को लेकर भारतीय कंपनियों ने कई बार परेशानी जाहिर की है। कुछ कंपनियों ने अफ्रीका में कहीं और निवेश करने की तक की बात कही है। जोहान्सबर्ग में भारत के महावाणिज्यदूत महेश कुमार ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में वीजा मिलने और सीधी उड़ानें दोनों में चुनौतियां रही हैं। अब भारत और दक्षिण अफ्रीका की सरकारें इन मुद्दों को हल करने के लिए काम कर रही हैं। दक्षिण अफ्रीकी सरकार उच्चतम स्तर पर इस संबंध में विचार कर रही है और योगदान देने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। कुमार ने कहा कि इसका दोनों देशों को करीब लाने में अहम योगदान है। अब हमारे लिए व्यापार और पर्यटन में सहयोग करना अधिक संभव हो सकेगा।दक्षिण अफ्रीका के फैसले को लेकर भारतीय कंपनियों ने भी खुशी जताई। कंपनी 24 बाय 7 ट्रैवल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष शर्मा ने कहा कि नई वीजा व्यवस्था से दक्षिण अफ्रीका में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। साथ ही एयरलाइन्स भी दक्षिण अफ्रीका के लिए सीधी उड़ान पर विचार करेंगी। उन्होंने कहा कि नई वीजा व्यवस्था भारत जैसे बड़े बाजार से यात्रा को बढ़ावा देगी। दक्षिण अफ्रीका में मौसम, प्राकृतिक सुंदरता और साझा संस्कृति और विरासत को देखते हुए भारत के पर्यटकों को आकर्षित करने की बहुत संभावना है। मगर देरी और जटिल वीजा प्रक्रिया के साथ ही भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीधी उड़ान न होने से ऐसा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि अब पहली चुनौती हल हो जाएगी। उम्मीद है कि इसके बाद दूसरी चुनौती से भी जल्द निपटा जा सकेगा। हमें भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीधी उड़ान पर विचार करने के बारे में सरकार और विमानन क्षेत्र से कई सुझाव मिल रहे हैं।

कौन हैं मेहर अफरोज शॉन

बांग्लादेश के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरुवार को जमालपुर सदर उपजिला स्थित नरुंडी रेल स्टेशन इलाके में स्थित मेहर अफरोज के पिता मोहम्मद अली के घर को गुस्साई भीड़ ने आग के हवाले कर दिया था।बांग्लादेश की मशहूर अभिनेत्री मेहर अफरोज शॉन को गुरुवार शाम में ढाका पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मेहर अफरोज शॉन पर देशद्रोह और कथित तौर पर देश के खिलाफ साजिश रचने जैसे आरोप लगे हैं। ढाका पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि मेहर अफजो शॉन को गुरुवार रात में ढाका के धनमंडी इलाके से हिरासत में लिया गया और बाद में पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मेहर अफरोज शॉन जमालपुर जिले में अवामी लीग की सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य रहे मोहम्मद अली की बेटी हैं। अफरोज की मां तुहारा अली पूर्व सांसद हैं और साल 1996 में आरक्षित सीट से सांसद रहीं थी।

बीते चुनाव में भी तुहारा अली ने अवामी लीग से चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने की मांग की थी। हालांकि पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया था। बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरुवार को जमालपुर सदर उपजिला स्थित नरुंडी रेल स्टेशन इलाके में स्थित मेहर अफरोज के पिता मोहम्मद अली के घर को गुस्साई भीड़ ने आग के हवाले कर दिया था। नरुंडी इलाके में एक समूह विरोध मार्च निकाल रहा था। विरोध मार्च के दौरान ही गुस्साए लोगों ने मोहम्मद अली के घर में आग लगा दी। पिता के घर में आग लगने के कुछ देर बाद ही मेहर अफरोज को हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि मेहर पर लगे आरोपों की ढाका पुलिस ने विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी है। रिपोर्ट्स हैं कि मेहर अफरोज ने देश में ऐतिहासिक स्थानों पर हिंसा और तोड़फोड़ की कथित तौर पर आलोचना की, जिसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से ही हिंसा का दौर जारी है। बीते दिनों बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आईं और अब गुरुवार को कट्टरपंथी संगठनों ने बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के घर में तोड़फोड़ की गई। उन्मादी भीड़ ने शेख मुजीब के घर समेत दूसरे ऐतिहासिक स्मारकों को भी निशाना बनाया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भी हिंसा और आगजनी की इन घटनाओं पर चिंता जाहिर की है।

खैबर पख्तूनख्वा में एक बार फिर आतंकियों ने पुलिस पर हमला किया; तीन अधिकारियों की मौत, छह घायल

एजेंसी

नई दिल्ली। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के अज्ञात आतंकवादियों ने करक जिले के बहादुर खेल इलाके में स्थित चौकी पर चारों तरफ से गोलीबारी की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जो दो घंटे तक चली। इसके बाद आतंकवादी भाग गए।पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में असॉल्ट राइफलों से लैस आतंकवादियों के एक समूह ने एक पुलिस चेक पोस्ट पर हमला कर दिया। इसमें तीन अधिकारियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

अमेरिका में पिछले आठ दिनों में तीसरे बड़े विमान हादसे की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका में आठ दिनों में तीसरे बड़े विमान हादसे की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि, आर्कटिक सर्कल के दक्षिण में अलास्का के नॉर्दन साउंड में 10 लोगों को ले जा रहा एक विमान गुरुवार दोपहर लापता हो गया है। जिसकी खोज में बचाव दल विमान के किसी भी संकेत की तलाश रात भर करते रहे। मामले में अलास्का के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अनुसार, बेरिंग एयर कारवां नौ यात्रियों और एक पायलट के साथ उनालाकलीट से नोम जा रहा था। अधिकारी इसके अंतिम ज्ञात निर्देशांक निर्धारित करने के लिए काम कर रहे थे।उनालाकलीट पश्चिमी अलास्का में लगभग 690 लोगों का एक समुदाय है, जो नोम से लगभग 150 मील (लगभग 240 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व और एंकोरेज से 395 मील (लगभग 640 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में मौजूद है। वहीं विमान के लापता होने के मामले में बेरिंग एयर के संचालन निदेशक डेविड ओल्सन का कहना है कि, सेसना कारवां ने दोपहर 2:37 बजे उनालाकलीट छोड़ा और एक घंटे से भी कम समय बाद अधिकारियों ने उससे संपर्क टूट गया।

युवती से बर्बरता देख कांप गए लोग, सिर की हड्डी के कर दिए थे कई टुकड़े

संवाददाता

गोरखपुर। गगहा स्थित हाईवे पर मिले युवती के शव की हालत देख लोग कांप गए। घटनास्थल पर एक ओर कटा हाथ

पड़ा था तो कहीं सिर की हड्डी के कई टुकड़े इधर-उधर बिखरे थे। सहेजने के बाद भी चार से पांच हड्डियां वहां पड़ी रह गईं। खोजी कुत्ता टोनी के सूंघने पर पुलिस ने उसे भी उठाया। युवती के शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान थे, जबकि कंधे के ऊपर का हिस्सा बर्बर तरीके से नष्ट किया गया है, ताकि उसकी पहचान न हो सके। पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद वाहन से शव को रौंदा गया है। घटनास्थल पर मिले शव के बगल में युवती का कटा हाथ भी मिला है। उसमें नारियल के खुज्जे की रस्सी बंधी थी। वहीं घटनास्थल के पास एक जगह खून भी गिरा मिला है। पुलिस की मानें तो युवती को मारने के बाद हादसा दिखाने के लिए उसके सिर को किसी भारी वाहन से कुचला गया है, क्योंकि ईंट से इस तरह हड्डियों के छोटे-छोटे टुकड़े होना संभव नहीं है। कहीं से युवती को मारकर शव लहूलुहान हाल में गाड़ी में लादकर लाया गया है। इसके बाद रस्सी से बांधकर खींचते हुए शव को 15 फीट दूर तक घसीटते हुए सड़क के किनारे फेंका गया है। डॉग स्क्वॉयड की टीम खोजी कुत्ते टोनी को लेकर आई थी। वह सड़क और 15 फीट दूर जहां शव फेंका गया था, उतनी ही दूर में घूमकर रह गया। टीम का मानना है कि गाड़ी से लाकर शव फेंकने की वजह से खोजी कुत्ता इतनी दूर तक घूमता रहा।

सुबह करीब आठ बजे जब युवती के शव को ग्रामीणों ने देखा तब पक्षी उसे बैठकर नोच रहे थे। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। लड़की का शव देखने से लग रहा है कि किसी अच्छे परिवार से है। उसने अच्छी कंपनी का जींस पहन रखा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बड़हलगंज से कोई लड़की लापता है। पुलिस उस एंगल पर भी जांच कर रही है। वहीं बृहस्पतिवार को गगहा से नौसड़ और बड़हलगंज तक सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरों को भी पुलिस की टीमें खंगालती रहीं। पेट्रोल पंप पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी जा रही है। वहीं युवती के शव को बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मोर्चरी में भिजवा दिया गया है। तीन दिन बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। उरुवा बाजार में चचाई राम गांव के सिवान में 19 जून 2024 की सुबह महिला का अर्धनग्न शव मिला था। उसके बगल से दवा का रैपर, शराब की शीशी, चप्पल, पकौड़ी और पानी की बोतल भी बरामद हुई थी। इस महिला की हत्या की गई थी। पुलिस ने आसपास के थानों के साथ बिहार तक उसकी फोटो भेजकर शिनाख्त कराई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। वहीं पुलिस को एक वीडियो मिला था, जिसमें यह महिला एक युवक से बात करते दिखी थी। उस युवक की पहचान भी पुलिस नहीं कर पाई है। गीडा के नौसड़ चौकी क्षेत्र के एकला गांव के सिवान में 22 जुलाई 2024 को 45 वर्षीय महिला का शव मिला था। शरीर पर कपड़ा न होने और कई जगह चोट के निशान मिलने पर आशंका जताई गई थी कि दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर शव फेंक दिया गया होगा। पहचान के लिए गीडा थाना पुलिस ने आसपास के जिलों में महिला की तस्वीर भेजी है। लेकिन, अभी तक सफलता नहीं मिल सकी है।

नीना थापा क्रिकेट एकेडमी रामवृक्ष क्रिकेट प्रतियोगिता का बना विजेता

संवाददाता

गोरखपुर। मंडल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित रामवृक्ष क्रिकेट प्रतियोगिता 2025

का फाइनल मैच नीना थापा क्रिकेट एकेडमी और एटीएम क्रिकेट एकेडमी के बीच सेंट एंड्रयूज डिग्री कॉलेज के ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। नीना थापा पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 202 रन बनाए। जिसमें ओपनर बल्लेबाज सचिन पाल ने 57 रन, नीरज यादव ने 56 रन, अभय प्रजापति ने 26 रन और सूरज दुबे ने 25 रनों का योगदान दिया। एटीएम क्रिकेट एकेडमी कि तरफ से गेंदबाजी करते हुए शुभम मौर्या ने 3 विकेट, विकाश राय और अमन साहनी ने 2 - 2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एटीएम क्रिकेट एकेडमी ने 29 ओवरों में 152 पर ऑल आउट हो गए। जिसमें विवेक कुमार ने 36 रन, राहुल गुप्ता ने 34 रन,विकाश राय ने 15 रनों का योगदान दिया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी कि तरफ से गेंदबाजी करते हुए अजीत गुप्ता ने 3 विकेट, सूरज दुबे ने 2 विकेट हासिल किया। और यह मैच नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने 50 रनों से मैच जीत लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच का ट्रॉफी अजीत गुप्ता को दिया गया। बेस्ट बैट्समैन - विवेक कुमार, बेस्ट बॉलर - अजीत गुप्ता, बेस्ट फिल्डर - विनय उपाध्याय, बेस्ट विकेट कीपर - नीतीश भारद्वाज, मैन ऑफ द सीरीज का ट्रॉफी - अजीत गुप्ता को दिया गया। इस मैच के मुख्य अतिथि प्रवेश हसन (पूर्व रणजी ट्रॉफी क्रिकेटर) के हाथों विजेता टीम को 31000 नगद और विजेता ट्रॉफी नीना थापा क्रिकेट एकेडमी टीम को दिया गया। विशिष्ट अतिथि कल्याण सिंह (कोच संस्कृति क्रिकेट एकेडमी) के हाथों उपविजेता टीम को 21000 नगद और उपविजेता ट्रॉफी एटीएम क्रिकेट टीम को दिया गया। इस मौके पर सफीक अहमद सिद्दीकी (अध्यक्ष मंडल क्रिकेट एसोसिएशन) , विनय चंद्र कौशिक, पंकज शुक्ला (राम स्पोर्ट्स), बदरी आलम, अमिताभ मिश्रा, और अन्य गढ़मान्य लोग उपस्थित रहे।

हॉकी : सेमीफाइनल में पहुंची गोरखपुर मंडल और स्पोर्ट्स कॉलेज की टीम

संवाददाता

गोरखपुर। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मैदान पर आयोजित यूपी राज्यस्तरीय अंडर-19 महिला हॉकी प्रतियोगिता में बृहस्पतिवार को चार क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। इसमें कानपुर ने अयोध्या, गोरखपुर मंडल ने आगरा, लखनऊ छात्रावास ने लखनऊ मंडल और स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर ने प्रयागराज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। शुक्रवार को स्पोर्ट्स कॉलेज हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान पर दोनों सेमीफाइनल मैच खेले जाएंगे। इसके विजेताओं के बीच शनिवार को फाइनल मैच खेला जाएगा। बृहस्पतिवार को पहला क्वार्टर फाइनल मैच कानपुर मंडल और अयोध्या के बीच खेला गया। कानपुर मंडल नें अयोध्या को एकतरफा मुकाबले में 5-1 से पराजित किया। कानपुर की तरफ से प्रिन्सी ने 15वें, 21वें व 50वें मिनट, रिया ने 44वें व 53वें मिनट और अयोध्या की तरफ से चंचल ने 45वें मिनट में गोल किया। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में गोरखपुर मंडल ने आगरा को 5-0 से हराया। गोरखपुर की तरफ से मनीषा ने 5वें व 10वें मिनट, पूजा ने 40वें व 47वें और सुप्रिया ने 49वें मिनट में गोल किए। तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच में छात्रावास लखनऊ ने लखनऊ मंडल को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से पराजित किया। इस मैच का एकमात्र गोल छात्रावास लखनऊ की तरफ से मान्या ने 51वें मिनट में किया।

चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर ने प्रयागराज मंडल को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर की तरफ से रबिया ने 4वें मिनट, पल्लवी ने 21वें मिनट, वैशाली ने 28वें मिनट और अरिका ने 30वें मिनट में गोल किए। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय वायुसेना हॉकी टीम के कोच मुख्य अतिथि प्रभाकर मौजूद रहे।

रेलवे स्टेडियम में बनेगा 100 बेड का स्पोर्ट्स हॉस्टल

संवाददाता

गोरखपुर। अब रेलवे में दूसरे राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों को ठहरने की दिक्कत नहीं होगी। वे एक साथ रहकर प्रैक्टिस कर सकेंगे और प्रतियोगिताओं में खेलेंगे। इसके लिए रेल प्रशासन सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में स्पोर्ट्स हॉस्टल बनवा रहा है, जिसका निर्माण शुरू हो चुका है। दो मंजिला हॉस्टल में एक साथ 100 खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था होगी। मार्च तक इसे बनाकर तैयार कर लिया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे का मुख्यालय होने के चलते गोरखपुर में आए दिन प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं होती रहती हैं। दूसरे राज्यों से एक साथ जब टीमें आती हैं तो खिलाड़ियों के ठहरने की दिक्कत होती है। उन्हें कहीं और ठहराया जाता है, लेकिन अब नया स्पोर्ट्स हॉस्टल बनने से खिलाड़ियों के साथ ही आयोजकों को भी सहूलियत होगी। खिलाड़ी ग्राउंड के पास ही रहेंगे तो उन्हें प्रैक्टिस में भी दिक्कत नहीं होगी। प्रस्ताव के मुताबिक, स्पोर्ट्स हॉस्टल का भवन दो मंजिला बनेगा।

आयुष विश्वविद्यालय के आईपीडी में भी चिकित्सा सुविधा जल्द

संवाददाता

गोरखपुर। प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की ओपीडी में अब तक करीब एक लाख लोग अपना इलाज करा चुके हैं। विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा होते ही यहां आईपीडी (आंतरिक रोगी विभाग) में भी चिकित्सा सुविधा मिलने लगेगी। इस विश्वविद्यालय के पूर्ण रूप से सक्रिय होने पर आयुष हेल्थ टूरिज्म में रोजगार की संभावनाएं भी सृजित होंगी। भटहट के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में निमार्णाधीन महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। यहां ओपीडी का शुभारंभ 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। तब से प्रतिदिन यहां आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीज परामर्श लेते हैं। काय चिकित्सा, शल्य चिकित्सा के विशेषज्ञों के परामर्श के साथ ही मरीजों को पंचकर्म चिकित्सा की भी महत्वपूर्ण सुविधा प्राप्त हो रही है। ओपीडी शुभारंभ के बाद अब तक करीब एक लाख आयुष चिकित्सकों से परामर्श लाभ ले चुके हैं। कुलपति प्रो. एके सिंह ने बताया कि आयुष विश्वविद्यालय में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी विधाओं की पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध हैं, जिनका भंडारण व्यवस्थित तरीके से किया जाता है। सभी रोगियों को चिकित्सकों के परामर्श के अनुरूप ये दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाती हैं। यह ध्यान दिया जाता है कि एक भी रोगी मुफ्त दवा पाने से वंचित न रहे। कुलपति के अनुसार आयुष विश्वविद्यालय में अंतरंग रोगियों की सेवा के लिए भी प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही अंतरंग रोगियों को भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिलने लगेगी। प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आने से पहले आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्धा की चिकित्सा पद्धति, जिन्हें समन्वित रूप में आयुष कहा जाता है, के लिए अलग-अलग संस्थाएं रही हैं। अब सत्र 2021-22 से प्रदेश के सभी राजकीय और निजी आयुष कॉलेजों का नियमन आयुष विश्वविद्यालय से ही होता है। वर्तमान सत्र 2024-25 में प्रदेश के 97 आयुष शिक्षण (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) के कॉलेज/संस्थान इस विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

क्रिकेट खेलने के दौरान विवाद में मारपीट, तीन पर केस

संवाददाता

गोरखपुर। क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद में बुधवार शाम क्रिकेट खेलने के दौरान हुए विवाद में तीन युवक बैट लेकर आपस में भीड़ गए। मारपीट में दो का सिर फट गया। दोनों पक्षों की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस तीन युवकों के खिलाफ मारपीट,धमकी और जानलेवा हमले का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। एक पक्ष के जंगल अयोध्या प्रसाद टोला नौका निवासी राकेश कन्नौजिया का आरोप है कि बुधवार की शाम करीब पांच बजे क्रिकेट मैच खेलने के दौरान किसी बात पर विवाद में अनिकेश निषाद व भुअर गाली दे रहे थे। मना करने पर लात-मुक्का व बैट से मारपीट कर घायल दिया।

तहसील में पक्षकार और अधिवक्ताओं का हंगामा

संवाददाता

गोरखपुर। तहसील सदर के नायब तहसीलदार, जंगल कौड़िया के कोर्ट के सामने बृहस्पतिवार को जमीन विवाद के मामले में एक पक्षकार और उनके साथ आए अधिवक्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने एकपक्षीय आदेश का आरोप लगाकर प्रदर्शन किया। कुछ देर में ही दूसरे पक्ष से आए अधिवक्ता भी पहुंच गए और आदेश को सही होने की बात कहकर नाराजगी जताई। चौरीचौरा क्षेत्र के पंचदेवरी के राजीव कुमार दुबे और उनके साथ अधिवक्ताओं ने नायब तहसीलदार जंगल कौड़िया के कोर्ट के बार पहुंचकर नारेबाजी शुरू की तो अन्य अधिवक्ता भी समर्थन में पहुंच गए। इस दौरान कर्मचारी कोर्ट के गेट पर ताला जड़कर बाहर चले गए, जबकि अधिकारी मौजूद नहीं थे। राजीव कुमार दुबे ने आरोप लगाया कि उनके पक्ष को सुना बिना नामांतरण आदेश जारी कर दिया गया है।

उनका आरोप है कि महादेव झारखंडी के टुकड़ा नंबर दो में एक एकड़ छह डिसमिल का विवाद 27 साल पुराना है। उनकी मां शशिप्रभा पक्षकार थीं, जिनका निधन 11 जनवरी को हो गया, जबकि उन्होंने 14 जनवरी को उन्होंने मुकदमे में अपना प्रतिस्थापना पत्र दे दिया था, लेकिन उनका पक्ष नहीं सुना गया। इस मामले में अधिवक्ता उपेंद्र धर दुबे ने कहा कि मृतक विरूद्ध आदेश करना विधि संगत नहीं है। लगाए गए आरोप निराधार हैं। अगर उन्हें लगता है कि आदेश सही नहीं है तो अपील कर सकते हैं।

पिपराइच लूट : तीन बदमाशों पर केस दर्ज

संवाददाता

गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के भिसवा गांव में डीडी इंटर कॉलेज के पास बुधवार रात बदमाशों ने फाइनेंस कंपनी के फील्ड अफसर से 1.50 लाख रुपये, बाइक और मोबाइल फोन लूट लिया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज कर तलाश में जुट गई है। बृहस्पतिवार सुबह एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने घटनास्थल की जांच कर निर्देश दिए। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस सर्विलांस की मदद ले रही है। वहीं पुलिस सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है, हालांकि बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका है। महराजगंज जिले के वार्ड नंबर 9 के लोहिया नगर चौपरिया निवासी गोपाल पटेल एलटी फाइनेंस समूह में फील्ड ऑफिसर हैं। इसका कार्यालय पिपराइच कस्बे में स्थित है। पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि बुधवार शाम को गोपाल गुलरिहा क्षेत्र के जमुनिया गांव से समूह से कर्ज का इकट्ठा करके पिपराइच ऑफिस जा रहे थे। 6:40 बजे भिसवां गांव के पास पहुंचे थे कि जंगल के पास तीन बदमाश उन्हें हाथ देकर रोक लिए। वहां रुकते ही बदमाश प्लेटिना बाइक और मोबाइल के साथ ही बैग में रखा वसूली का डेढ़ लाख रुपये लूट कर भाग गए। लूट की वारदात के बाद गोपाल पैदल बगल के एक गांव में पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से वारदात की सूचना कंपनी के अधिकारियों के साथ पुलिस को दी। इस संबंध में एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि बदमाशों को पकड़ने के लिए टीमें लगी हुई हैं। बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

Why Kejriwal lost

- **Lack of cleanliness, pollution, drinking water behind voter anger**
- **two-thirds saw AAP as corrupt**

Delhi: The results of an election are often a by-product of who lost, and, in the process, who won. The just concluded Assembly elections in Delhi are a case in point. After a decade in power, the Aam Aadmi Party (AAP) saw a sharp decline in public support with the 'credibility quotient' of its leadership clearly taking a dip. A direct corollary to this development was a decisive victory for the BJP. The Lokniti-CSDS Survey, carried out between January 29 and February 6 (the day after polling) and covering 3,137 respondents across 28 Assembly seats, showed that local issues were paramount among voters, there was anger against the AAP MLAs as well as dissatisfaction with its government, and that, contrary to the belief that the BJP surged ahead of the AAP in the final lap, more than half the voters had made their choice even before the campaign began. (An analysis of specific themes in detail follows.) Firstly, this election was fought, lost and won on inherently local issues. In the second line of his victory speech on Saturday evening, Prime Minister Narendra Modi referred to "Yamuna Maiya". In 2020, Kejriwal had made a solemn promise to cleanse the Yamuna, saying the voters could reject him the next time around otherwise. His accusations of the river water being "poisoned" towards the fag end of the campaign were seen as a poor excuse and did not carry much weight, even as more than eight of every 10 respondents in the Lokniti-CSDS Survey raised problems associated with the Yamuna river as a concern. Similarly, more than nine of every 10 respondents were disappointed with "the lack of cleanliness" in the city and more than eight of every 10 upset over pollution and the non-availability of clean drinking water. Corruption charges levelled by the BJP and Congress against the AAP too played a role. Nearly two-thirds of the respondents saw the AAP government as corrupt, while a little over one in four (28%) felt it was very corrupt. Four of every ten saw the 'Sheesh Mahal' (the name given by the BJP to the CM's residence after an allegedly exorbitant revamp by the AAP government) as a sign of wasteful expenditure. Secondly, the AAP and its leadership faced a severe 'credibility deficit'. Not just the defeat of the party but the defeat of its key leaders in their constituencies was an indicator of the same. The incumbent AAP MLAs need to share the blame as the Lokniti-CSDS Survey showed that half the respondents were disappointed with the work done by their representatives. More crucially, nearly one in every three (35%) of those disappointed with their MLA's performance were "strongly disappointed".

Manish Sisodia to Arvind Kejriwal, AAP lost 9 tight fights to BJP, won four

New Delhi | Manish Sisodia, Arvind Kejriwal, Delhi Assembly elections, Delhi Assembly polls, aap, Delhi BJP, Aam Aadmi Party AAP, delhi news, India news, Indian express, current affairsSupporters dance to Pahadi tunes while celebrating BJP leaders Parvesh Verma 's victory in the assembly polls at his residence in New Delhi on Saturday. (Express Photo by Tashi Tobgyal) The Delhi Assembly results on Saturday revealed that the BJP won nine of the 13 close contests, where the victory margin was less than 5,000 votes while the Aam Aadmi Party (AAP) won the remaining four. The closest victory for the BJP came in

Sangam Vihar, where its candidate Chandan Kumar Choudhary defeated the AAP's sitting MLA Dinesh Mohaniya by 344 votes. Here, the Congress's candidate Harsh Choudhary finished third with 15,863 votes. Interestingly, NOTA too polled more votes – 537 – than the victory margin. In Trilokpuri, the BJP's Ravi Kant won against the AAP's Anjana Parcha with a margin of 392 votes while the Congress's Amardeep polled 6,147 votes to finish third. The Azad Samaj Party (Kanshi Ram) and the BSP, which garnered 1,681 and 1,322 votes respectively, also polled more votes than the victory margin here. The Congress seemed to have played spoilsport for AAP bigwig and ex-Deputy CM Manish Sisodia, who lost to the BJP's Tarvinder Singh Marwah by 675 votes while the Congress' Farhad Suri finished third with 7,350 votes.

Congress blanked out in Delhi again, but in AAP loss, sees some gains

New Delhi | Mallikarjun Kharge Rahul GandhiThe

demise of the AAP, the Congress believes, is the only path to its revival in the long term in the national capital, which was once its citadel. (X/ Kharge) It seems ironic and counterintuitive on a day that the Congress is staring at a humiliating fourth consecutive defeat in Delhi. However, the party is seeing a silver lining in the possible setback for the Aam Aadmi Party (AAP). The demise of the AAP, the Congress believes, is the only path to its revival in the long term in the national capital, which was once its citadel. The flip side of it, of course, is the resentment within the INDIA bloc, many of whose members feel the Congress should have joined hands or aligned with the AAP to take on the BJP. To this, the Congress has been arguing that it was the AAP which did not want an alliance with it, and that Arvind Kejriwal himself spelt that out clearly with the AAP first off the block announcing all its 70 candidates. However, many INDIA bloc parties believe a victory for the BJP in Delhi, coming on the heels of its smashing wins in Haryana and Maharashtra, will help it overcome the Lok Sabha setback and weave a political narrative once again that it is electorally invincible and that Narendra Modi is still as popular as he was – a message which the Opposition alliance cannot afford. As per preliminary indications Saturday, the Congress hadn't taken much off the AAP vote share, barely adding to the 4.26% it got last time. Now, the party will be seeing whether its candidates polled more votes than the margin of victory in seats where the AAP has lost to the BJP.

Kapil Mishra, the firebrand BJP leader who replaced sitting MLA and won

New Delhi | kapil mishraMishra was nominated as the BJP candidate from Karawal Nagar on the basis of internal surveys conducted by the party, which hinted that voters preferred his "firebrand Hindutva-cum-Purvanchali face" over sitting MLA Mohan Singh Bisht. (Photo: X/ @KapilMishra_IND) As BJP candidate Kapil Mishra, a former AAP minister, won from Karawal Nagar – defeating his AAP rival Manoj Kumar Tyagi by a margin of 23,355 votes – the constituency, considered a BJP bastion, has seen only one non-BJP win in the recent history, when Mishra won from the constituency in 2015 on a AAP ticket. He, however, left the AAP in 2019 to join the BJP. Some might say Mishra was a "blue blood" in politics, with his mother Annapurna Mishra being a former BJP Mayor from East Delhi. Founder of Youth for Justice, a social justice organisation, Mishra was involved in movements against farmer suicides, Yamuna encroachment and Commonwealth Games scandal, even authoring a book called 'Its Common VS Wealth' on the issue in 2010. After winning the 2015 polls, Mishra was appointed as Minister for Water and Tourism in the AAP government. He was sacked in 2017 and was subsequently suspended from AAP after he alleged that then health minister Satyendar Jain had helped AAP chief Arvind Kejriwal settle land deals worth Rs 50 crore for his brother-in-law. On February

23, 2020, in a controversial speech, Mishra threatened to remove those protesting against the Citizenship Amendment Act in Jaffrabad. The next day, riots had broken out in Northeast Delhi. Following the riots, Mishra was questioned by the Delhi Police as part of its investigation. Mishra had later said, "There is no criminal case against me… this image has been created, these are all just allegations.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।